already these SSI units are facing a stiff competition with those of fully mechanised industries, this has come as a bolt from the blue. The poorest of the poor, who depend solely upon these SSI units for the livelihood, are now on the verge of starvation owing to the possibility of losing their jobs due to the closure of most of these match industries.

This matter of great concern involving the lives and future of five lakh match workers in Tamil Nadu employed in SSI units situated in Tuticorin, Trinelveli, Virudhunagar, Vellore and Dharmapuri - all backward districts - needs the immediate intervention of the Government with following remedial action.

This small-scale semi-mechanised sector, which is having 72 per cent of labourers, should not be treated at par with the fully-mechanised large-scale sector which has only 8 per cent of labourers.

The Central Excise Duty of 10 per cent levied on semi-mechanised sector is to be withdrawn completely or to make difference of, at least, 6 per cent, that is, 4 per cent, with CENVAT immediately to have the protection from the large-scale fully mechanised sector.

Demand to take steps for setting up various passenger amenities at Ghaziabad Junction of the Indian Railways

श्री नरेन्द्र कुमार कश्यप (उत्तर प्रदेश) : महोदय, भारत में करोड़ों लोग रेलों के ज़रिये अपने सफर को पूरा करने का सफल प्रयास तो करते हैं, लेकिन स्टेशनों, जंक्शनों पर होने वाली भारी अनियमितता, गन्दगी तथा अव्यवस्था के चलते छोटा सफर भी बहुत लम्बा नजर आने लगा है और उत्तर प्रदेश के रेलवे स्टेशनों तथा जंक्शनों पर यात्रियों की अधिकता के कारण और भी बुरा हाल है। गरीबों को अपने गंतव्य स्थान पर जाने की टिकटें खरीदने में भी लम्बी लाइनों में लगकर घंटों संघर्ष करना पड़ता है। भीषण गर्मी अथवा सर्दी में और भी अधिक समस्याओं का सामना यात्रियों को करना पड़ता है। ट्रेनों में सफर के दौरान जो मुश्किलें आती हैं, वे बहुत ही भयावह होती हैं। ट्रेनों में खाने पीने की वस्तुएं अच्छी क्वालिटी की नहीं मिलती हैं। यात्रियों की अधिकता के कारण लाखों-करोड़ों यात्री रात भर लैट्रिन गैलरी में बैठ कर अपना सफर पूरा करते हैं।

गाजियाबाद एशिया के टॉप टेन सिटी में से एक है जो एन.सी.आर. में आता है, परन्तु रेलवे सुविधाओं की दृष्टि से वहां बहुत-सी चीजों की आवश्यकता है। विशेषकर, गरीब यात्रियों के लिए टिकट काउंटर्स की संख्या बढ़ाने, यात्रियों के बैठने के लिए शेड्स की व्यवस्था सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने व खान-पान की वस्तुओं की गुणवत्ता को बढ़ाने की आवश्यकता है।

गाजियाबाद जंक्शन पुराना व बड़ा जंक्शन है जहां से सैंकड़ों VIPs दिन-प्रतिदिन यात्रा करते हैं, परन्तु जब ट्रेनें विलम्ब से आती हैं तो उस समय VIPs के बैठने की कोई बेहतर व्यवस्था नहीं होती है। औद्योगिक नगरी गाजियाबाद के जंक्शन पर VIP lounge स्थापित किया जाना भी नितान्त आवश्यक है।

अतः मैं सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि गाजियाबाद जंक्शन पर AC VIP lounge बनाने, सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने व खान-पान की गुणवत्ता बेहतर कराने की कृपा करें।